आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 31.08.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :-

- उपराष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्‌घाटन किया; कहा महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में सख्त कानून और त्वरित फैसले की जरूरत।
- भारत के यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस, यूपीआई के जरिये इस साल अप्रैल से जुलाई में दुनिया के प्रमुख डिजिटल भुगतान प्लेटफार्मों से अधिक लगभग 81 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड द्वारा स्वास्थ्य महानिदेशालय परिसर में ए "हेल्थ थीम पार्क" का अनावरण किया गया।

संबोधन

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जोर देते हुए कहा है कि स्वच्छ ऊर्जा सिर्फ एक विकल्प नहीं है, बल्कि यह एकमात्र विकल्प है। अगर हमारे पास यह नहीं है तो हम अस्तित्व की चुनौती और टिकाऊ भविष्य के लिए संघर्ष करेंगे। उपराष्ट्रपति आज देहरादून स्थित वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, सीएसआईआर–भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, के वैज्ञानिकों, संकाय सदस्यों और छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज विश्व जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों की कमी जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने इन चुनौतियों के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये ऐसे तात्कालिक मुद्दे हैं जिन पर व्यापक कार्यवाही की आवश्यकता है।

इससे पहले, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के जौलीग्रांट एयरपोर्ट ,देहरादून पहुंचने पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया।

श्री धनखड़ और उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ ने सीएसआईआर भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून के परिसर में अपनी माताओं की स्मृति में पौधारोपण किया।

कार्यक्रम

उपराष्ट्रपति आज रात्रि विश्राम राजभवन देहरादून में करेंगे। श्री धनखड़ कल देहरादून स्थित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून का दौरा भी करेंगे। उपराष्ट्रपति कल ही एम्स ऋषिकेश का दौरा भी करेंगे, जिस दौरान वे संस्थान के छात्रों और संकाय सदस्यों से मिलेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।

राश्ट्रीय सम्मेलन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि महिलाओं पर अत्याचार और बच्चों की सुरक्षा समाज के लिए गंभीर चिंता के विषय हैं। उन्होंने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में जिला न्यायपालिका के दो दिन के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्‌घाटन करने के बाद यह बात कही।

श्री मोदी ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार से संबंधित मामलों में जितनी जल्दी से निर्णय लिए जाएंगे उतनी ही जल्दी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो पाएगी।

भारतीय न्याय संहिता के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि इन कानूनों की भावना है – नागरिक प्रथम, प्रतिष्ठा प्रथम और न्याय प्रथम। उन्होंने कहा कि देश में न्यायिक ढांचे के विकास के लिए करीब आठ हजार करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं। श्री मोदी ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है – विकसित भारत, नया भारत। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक डाक टिकट और सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरा होने पर एक सिक्का भी जारी

किया। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ती डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन अखिल भारतीय जिला न्यायाधीश सम्मेलन की अगली कड़ी है।

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि न्याय प्रक्रिया को आधुनिक बनाया जा रहा है।

निरीक्षण व चौपाल

बागेश्वर जिले में खेती और बागवानी को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन प्रयासरत है। इसी कड़ी में आज मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने विकासखंड कपकोट के शामा व लीती क्षेत्र में स्वरोजगार व आत्मनिर्भर की दिशा में कार्य कर रहे काश्तकारों के बागवानी का जायजा लिया और किसानों की समस्याओं के निराकरण को लेकर गांव में चौपाल लगाकर समस्यांए सुनीं। चौपाल में 17 शिकतायते मिलीं, जिसमें से छह का मौके पर ही निस्तारण किया गया औऱ शेष शिकायतों और समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने खेती और बागवानी को आजीविका का बेहतर माध्यम बताते हुए ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कपकोट क्षेत्र में कीवी की अच्छी पैदावार है। उन्होंने कहा कि कीवि की बड़े स्तर पर ब्रांडिंग करने की तैयारी की जा रही है, जिससे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिकी भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा

मत्स्य पालन के साथ ही कीवी को सीधे ग्रामीणों की आजीविका से जोड़ने की इस मुहिम से किसान आत्मनिर्भर बनेंगे। उद्यान अधिकारी ने बताया कि कीवि बागवानी से जुड़े 100 से अधिक किसानों द्वारा 80 लाख से अधिक का कारोबार किया है। उन्होंने कहा कि बंदरों से कीवी को कोई नुकसान नहीं है इसलिए किसानों को रूचि लेते हुए इस क्षेत्र में आगे आना चाहिए।

बढोतरी

विश्व के प्रमुख डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोडते हुए भारत के यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यूपीआई ने इस वर्ष अप्रैल से जुलाई के बीच लगभग 81 लाख करोड रुपए का लेन–देन किया। पिछले वर्ष के मुकाबले इसमें 37 प्रतिशत की बढोतरी हुई है। ग्लोबल पेमेंट हब पेसेक्योर के ताजा आंकड़ों के अनुसार यूपीआई के माध्यम से प्रति सेकेंड लगभग 37 सौ से ज्यादा लेन–देन किए गए, जो 2022 में प्रति सेकेंड दर्ज किए गए 23 सौ 48 लेन–देन से 58 प्रतिशत अधिक है। इस तरह लेन–देन की संख्या के मामले में यूपीआई ने चीन के अली–पे, पे–पाल और ब्राजील के पीआईएक्स को पीछे छोड दिया। जुलाई में यूपीआई लेन–देन बीस लाख साठ हजार करोड रुपये को पार कर गया। यह किसी एक महीने में किया जाने वाला सबसे अधिक लेन–देन था।

पोशण अभियान

सितंबर के महीने को देशभर में राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। इस साल पोषण माह विषय "सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत" है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड द्वारा स्वास्थ्य महानिदेशालय परिसर में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत "हेल्थ थीम पार्क" का अनावरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में थीम पार्क का अनावरण कुपोषण से सामान्य श्रेणी का सफर तय करने वाले बच्चों द्वारा किया गया।

हेल्थ थीम पार्क का उद्देश्य आम जनमानस को स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रमों, योजनाओं जैसे विषयों से लगातार अवगत कराना है। थीम पार्क में योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, संपूर्ण टीकाकरण, मातृ व शिशु स्वास्थ्य, स्वास्थ्य कर्मचारियों की भूमिका और मोटे अनाज आदि विषयों को प्रदर्शित किया गया है। इस पार्क में विभिन्न फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों के प्रतीकात्मक मूर्तियों को प्रदर्शित किया गया है, जिससे लोग पोषण संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकें।

पोशण युक्त रा□न

केंद्र सरकार के कुपोषण मुक्त भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए ऊधमसिंह नगर जिले में शतप्रतिशत पोषण राशन का वितरण हो रहा है। जिले के दो हजार तीन सौ अट्ठासी आंगनबाड़ी केंद्रों में 43

हजार पांच सौ तीस बच्चे पंजीकृत हैं, जिनमें से 696 कुपोषित और 241 अतिकुपोषित हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि महिला बाल कल्याण विभाग द्वारा जिले के सभी सात ब्लॉकों में बच्चों तक संपूर्ण पोषण पहुंचाने का काम किया जा रहा है। जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का समय–समय पर निरीक्षण किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिले में कुपोषण मुक्त भारत के लिये लगातार काम चल रहा है।

<u>विकास</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार सीमांत क्षेत्रो के विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श चम्पावत आदर्श उत्तराखण्ड की परिकल्पना के तहत, चंपावत जिले को विकसित करने का कार्य जारी है। अपने एक दिवसीय दौरे पर चम्पावत पहुँचे श्री धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय ने आम लोगो से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना व उनके निराकरण के लिए सम्बन्धित अधिकारीयो को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने जिला चिकित्सालय में लगी सीटी स्कैन मशीन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में विभिन्न विकास कार्यो के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जिला अस्पातल में क्रिटिकल केयर यूनिट की भी स्थापना की जा रही है जिससे चम्पावत सहित सीमांत क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने गोल्ज्यू मन्दिर में भी पूजा अर्चना की।

नशामुक्त भारत अभियान

चमोली जिले में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज 14 किलोमीटर की हॉफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने हरी झण्डी दिखाकर मैराथन का शुभारम्भ किया। समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से मैराथन दौड का आयोजन किया गया। सुबह नये बस अडडे से घिंघरण मोटर मार्ग पर चयनित स्थल तक 14 किलोमीटर मैराथन दौड आयोजित गयी। मैराथन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण किया गया था जिसमें 133 लोगों ने हिस्सा किया। वहीं सिग्नेचर कैपेन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया और नशे से दूर रहने की शपथ दिलायी गयी। मैराथन में पहले तीन स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

गंगा संरक्षण समिति

चमोली के मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान श्री शाह ने गंगा नदी की सभी मुख्य सहायक नदियों के पुर्नरुद्धार, संरक्षण, मरम्मत और पुनर्वास के लिए होने वाले कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में 16 स्वीकृत सीवेज उपचार संयंत्र का काम पूरा हो चुका है जिनमें से 12 को जल संस्थान को सौंप दिया गया है। अपशिष्ट जल उपचार के बाद बचे कीचड़ का उपयोग खाद बनाने में किया जा

सकता है। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ में छह, जोशीमठ में पांच, गोपेश्वर में सात, नंदप्रयाग में तीन और कर्णप्रयाग में सात गंदे नाले अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र से जोडे जाएंगे।